1. पुल्लिङ्ग
   1. The word entered ends with “a” (अ).
      1. The word ends with any of the following. $sarvanama = array("sarva","viSva","uBa","uBaya","pUrva","para","avara","dakziRa","uttara","apara","aDara","atara","atama","sva",“antara”,"anya","anyatara","itara","tvat","tva","nema","sama”,“sima","sva","antara","tyad","tad","yad","etad","idam","adas","eka","dvi","yuzmad","asmad","Bavat","kim");
         1. सर्वादयः सञ्ज्ञा के तौर पे प्रयुक्त हुए हैं ?
         2. सर्वादयः उपसर्जनीभूत हैं ?
         3. सर्वादयः तृतीया तत्पुरुष समास में प्रयुक्त हुए हैं ?
         4. सर्वादयः द्वन्द्व समास में प्रयुक्त हुए हैं ?
         5. सर्वादयः बहुव्रीहि समास में प्रयुक्त हुए हैं ?
            1. दिक्समास है
            2. दिक्समास नहीं है
         6. उपर से किसी में नहीं प्रयुक्त हुए हैं
            1. The word ends with any of the following. $purva = array("pUrva","para","avara","dakziRa","uttara","apara","aDara");

सञ्ज्ञा है या व्यवस्था के अर्थ में नहीं है

सञ्ज्ञा नहीं है और व्यवस्था के अर्थ में प्रयुक्त हुए हैं ।

* + - * 1. The word ends with $sva = array("sva",);

ज्ञाति या धन के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है

ज्ञाति या धन के अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुआ है

* + - * 1. The word ends with $antara = array(“antara”);

बहिर्योग या उपसंव्यान के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है

उसके बाद का शब्द पुरि है ?

नहीं

बहिर्योग या उपसंव्यान के अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुआ है

* + - * 1. The word ends with $datara = array(“atara”, “atama”); and !== “anyatama”

डतर / डतम प्रत्यय से शब्द की सिद्धि हुई है

नहीं

* + - * 1. The word ends with $sama = array(“sama”);

सम शब्द सर्व के पर्याय में प्रयुक्त हुआ है

सम शब्द तुल्य के पर्याय में प्रयुक्त हुआ है

* 1. The word entered ends with “A” (आ).
     1. क्या यह आकारान्त धातु है ?
     2. नहीं
  2. The word entered ends with “i” (इ)
     1. The word entered ends with “saKi” (सखि)
        1. प्राधान्य – जैसे कि सुसखा
        2. उपसर्जनीभूत – जैसे कि परमसखा
        3. लाक्षणिक – जैसे कि अतिसखिः (सखीमतिक्रान्तः)
     2. The word entered ends with ‘dvi’ (द्वि)
        1. सञ्ज्ञा है या उपसर्जनीभूत है
        2. सञ्ज्ञा नहीं है और उपसर्जनीभूत नहीं है
  3. The word entered ends with ‘I’ (ई) ->This is a bit complicated. Maybe we should think of something like check boxes.
     1. अनदीसञ्ज्ञकः अधातुः – वातप्रमी (इको यणचि, अमि पूर्वरूपम्‌, शसि पूर्वसवर्णदीर्घः, ङौ सवर्णदीर्घः)
     2. नदीसञ्ज्ञकः अधातुः (सम्बुद्धिह्रस्वः, ङित्सु आडागमः, आमि नुडागमः, ङेरामादेशः, इको यणचि, अमि पूर्वरूपम्, शसि पूर्वसवर्णदीर्घः, ङौ सवर्णदीर्घः)
        1. ङ्‍यन्त – बहुश्रेयसी (सुलोपः)
        2. अङ्‍यन्त – अतिलक्ष्मीः (न सुलोपः)
     3. अनदीसञ्ज्ञकः धातुः (असंयोगपूर्वकः इवर्णः, अनेकाच्‌ अङ्गम्‌) – प्रधी, वातप्रमी (क्विबन्त)

(अजादिषु प्रत्ययेषु एरनेकाचो…इति यणादेशः)

* + - 1. नीधात्वन्त – उन्नीः, ग्रामणीः (ङेरामादेशः)
      2. सखा – (सखायमिच्छति) – (अनङ्‌णित्त्वे, ङसिङसोरुत्त्वम्‌)
      3. सखीः, सुखीः, सुतीः, लूनीः, क्षामीः, प्रस्तीमीः (ख्यत्यात्परस्य इत्यनेन ङसिङसोरुत्त्वम्‌)
    1. नदीसञ्ज्ञकः धातुः (असंयोगपूर्वकः इवर्णः, अनेकाच्‍ अङ्गम्‌)

(सम्बुद्धिह्रस्वः, ङित्सु आडागमः, आमि नुडागमः, ङेरामादेशः, अजादिषु प्रत्ययेषु एरनेकाचो…इति यणादेशः)

* + - 1. ङ्‍यन्त – कुमारी (ङ्‍यन्तत्वात्‌ सुलोपः)
      2. अङ्‍यन्त – प्रकृष्टा धीर्यस्य सः प्रधीः – (अङ्‍यन्तत्वान्न सुलोपः)
    1. अनदीसञ्ज्ञकः धातुः (संयोगपूर्वकः इवर्णः / एकाच्‌ अङ्गम्‌ / गतिकारकेतरपूर्वकः) या सुधीशब्दः

(अजादिषु प्रत्ययेषु ‘अचिश्नुधातुभ्रुवां.. इतीयङादेशः)

* + - 1. नीः (ङेरामादेशः)
      2. अङ्‍यन्त - यवक्रीः, सुश्रीः (अङ्‍यन्तत्वान्न सुलोपः), सुधी:, शुष्कीः, पक्वीः इत्यादि
    1. नदीसञ्ज्ञकः धातुः (संयोगपूर्वकः इवर्णः / एकाच्‌ अङ्गम्‌ / गतिकारकेतरपूर्वकः ) – शुद्धधीः, परमधीः, दुर्धीः, वृश्चिकभीः

(सम्बुद्धिह्रस्वः, ङित्सु आडागमः, आमि नुडागमः, ङेरामादेशः, अजादिषु प्रत्ययेषु इयङादेशः)

* 1. The word ends with U (ऊ).
     1. अनदीसञ्ज्ञकः अधातुः – हूहू (इको यणचि, अमि पूर्वरूपम्‌, शसि पूर्वसवर्णदीर्घः)
     2. नदीसञ्ज्ञकः अधातुः – अतिचमूः (सम्बुद्धिह्रस्वः, ङित्सु आडागमः, आमि नुडागमः, ङेरामादेशः, इको यणचि, अमि पूर्वरूपम्, शसि पूर्वसवर्णदीर्घः, ङौ सवर्णदीर्घः)
     3. धातुः (असंयोगपूर्वकः उवर्णः, अनेकाच्‌ अङ्गम्‌ , गतिकारकपूर्वकः) – खलपूः, सुलूः, उल्लूः(अजादिषु प्रत्ययेषु ओः सुपि इति यणादेशः)
     4. धातुः (संयोगपूर्वकः उवर्णः / एकाच्‌ अङ्गम्‌ / गतिकारकेतरपूर्वकः) – कटप्रूः, लूः, परमलूः( अजादिषु प्रत्ययेषु ‘अचिश्नुधातुभ्रुवां.. इत्युवङादेशः)
  2. The word ends with ‘catur’ (चतुर्‌)
     1. $second=== “Am” and $so!== “catur”
        1. उपसर्जनीभूत
        2. प्राधान्य
  3. The word is “idam” / “idakam”
     1. अन्वादेश है
     2. अन्वादेश नहीं
  4. The word ends with ‘n’

The word ends with array(“paYcan”, “saptan”, “zwan”, “navan”, ‘daSan”); and is not equal to them.

* + 1. समास में नान्त शब्द उपसर्जनीभूत है ?
    2. उपसर्जनीभूत नहीं है ।
  1. The word ends with ‘j’
     1. क्विन्‌ प्रत्ययान्त है ?
        1. ends with ‘yuj’
           1. युजि
           2. युजिर्‌
     2. क्विन्‍ प्रत्ययान्त नहीं है ।
     3. ends with array(“BrAj”)
        1. भ्राज्‌ धातु फणादि है ?
        2. नहीं
  2. The word ends with $tyadadi = array("dvi","tyad","tad","etad","idam","adas","eka","idakam");
     1. त्यदादि शब्द सञ्ज्ञा या उपसर्जनीभूत के रूप में प्रयुक्त हुए हैं ?
     2. त्यदादि शब्द सञ्ज्ञा या उपसर्जनीभूत नहीं है ।
        1. The word belongs to array(“etad”, “idam”);
           1. अन्वादेश है ?
           2. अन्वादेश नहीं है ।
  3. The word ends with array(“smad”,’yuzmad”) and !in\_array(“asmad”, “yuzmad”)
     1. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ एकत्ववाची है
     2. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ द्वित्ववाची है
     3. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ बहुत्ववाची है
  4. The word is in\_array(‘asmad’, ‘yuzmad’) &&in\_array($so,array(‘am’, ‘Ow’, ‘Sas’, ‘Ne’, ‘ByAm’, ‘Byas’, ‘Nas’, ‘os’, ‘Am’)
     1. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ का प्रयोग पद के बाद में नहीं हुआ है । (निषेध)
     2. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ का प्रयोग पाद के प्रारम्भ में हुआ है । (निषेध)
     3. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ का च, वा, हा, अह या एव से साक्षात्‌ योग है । (निषेध)
     4. अस्मद्‌ / युष्मद्‌ का अचाक्षुष ज्ञानार्थ धातु से योग है । (निषेध)
     5. उपरमें से कोई नहीं
        1. अन्वादेश है
           1. विद्यमानपूर्व प्रथमान्त शब्द के परे अस्मद्‌ / युष्मद्‌ हैं

आमन्त्रित से परे हैं

विशेष्य से परे समानाधिकरण विशेषण है

बहुवचन है (विभाषा)

बहुवचन नहीं है (नित्य)

विशेष्य से परे समानाधिकरण विशेषण नहीं है (निषेध)

आमन्त्रित से परे नहीं है (विभाषा)

* + - * 1. अस्मद्‌/ युष्मद्‌ विद्यमानपूर्व प्रथमान्त शब्द के परे नहीं हैं (नित्य)
      1. अन्वादेश नहीं है (विभाषा)
  1. The word ends with array(“aYc”, “AYc”, “anc”, “Anc) as the first word.
     1. क्विन्‌ प्रत्ययान्त है
        1. पूजाके अर्थ में प्रयुक्त है ?
        2. पूजा के अर्थ में प्रयुक्त नहीं है ।
     2. क्विन्‍ प्रत्ययान्त नहीं है
  2. The first word ends with array(“Bavat”).
     1. भाते र्डवतु ?
     2. भूधातोः शतृप्रत्ययः ?
  3. The first word ends with array(“takz”, “rakz”)
     1. ण्यन्त
     2. अण्यन्त
  4. The first word ends with ‘m’
     1. धातु
     2. अधातु
  5. The word ends with ‘at’
     1. अत्वन्त है
     2. अत्वन्त नहीं है
        1. अभ्यस्त है
        2. अभ्यस्त नहीं है
  6. The word ends with ‘zaz’ and not equal to ‘zaz’
     1. प्राधान्य
     2. उपसर्जनीभूत

1. स्त्रीलिङ्ग
   1. The word ends with ‘A’ (आ)
      1. शब्द आबन्त नहीं है – जैसे कि गोपा ?
      2. शब्द आबन्त है – जैसे कि रमा
         1. Ends with $sarvanamastri = array("sarvA","viSvA","uBA","uBayA","atarA","atamA","anyA","anyatarA","itarA","tvA","nemA","simA","pUrvA","parA","avarA","dakziRA","uttarA","aparA","aDarA","svA","antarA","ekA","dvA",);
            1. सर्वादयः सञ्ज्ञा के तौर पे प्रयुक्त हुए हैं ?
            2. सर्वादयः उपसर्जनीभूत हैं ?
            3. सर्वादयः तृतीया तत्पुरुष समास में प्रयुक्त हुए हैं ?
            4. सर्वादयः द्वन्द्व समास में प्रयुक्त हुए हैं ?
            5. सर्वादयः बहुव्रीहि समास में प्रयुक्त हुए हैं ?

दिक्समास है

दिक्समास नहीं है

* + - * 1. उपर से किसी में नहीं प्रयुक्त हुए हैं

The word ends with any of the following. $purva = array("pUrva","para","avara","dakziRa","uttara","apara","aDara");

सञ्ज्ञा है या व्यवस्था के अर्थ में नहीं है

सञ्ज्ञा नहीं है और व्यवस्था के अर्थ में प्रयुक्त हुए हैं ।

The word ends with $sva = array("sva",);

ज्ञाति या धन के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है

ज्ञाति या धन के अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुआ है

The word ends with $antara = array(“antara”);

बहिर्योग या उपसंव्यान के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है

उसके बाद का शब्द पुरि है ?

नहीं

बहिर्योग या उपसंव्यान के अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुआ है

The word ends with $datara = array(“atara”, “atama”); and !== “anyatama”

डतर / डतम प्रत्यय से शब्द की सिद्धि हुई है

नहीं

The word ends with $sama = array(“sama”);

सम शब्द सर्व के पर्याय में प्रयुक्त हुआ है

सम शब्द तुल्य के पर्याय में प्रयुक्त हुआ है

/ / / / / /

. व

* 1. The word ends with ‘i’ (इ)
     1. Ends with ‘tri’ and is not ‘tri’
        1. त्रि शब्द स्त्रीलिङ्ग में है
        2. त्रि शब्द स्त्रीलिङ्ग में नहीं है
  2. The word ends with ‘I’ (ई)
     1. ङ्‍यन्त, नदीसञ्ज्ञक (गौरी)
     2. अङ्‍यन्त, नदीसञ्ज्ञक (लक्ष्मी)
     3. ङ्‍यन्त, इयङ्स्थानिक (स्त्री)
     4. अङ्‍यन्त, इयङ्स्थानिक (श्री)
     5. प्रधीशब्द
        1. प्रध्यायतीति प्रधीः
           1. वृत्तिकारादीनां मते लक्ष्मीवद्रूपम्‌
           2. कैयटमते तु पुंवद्रूपम्‌
        2. प्रकृष्टा धीः (लक्ष्मीवद्‌, अमि शसि च प्रध्यम्‌, प्रध्यः इति विशेषः)
     6. सुधी
        1. सुष्ठु धीः यस्याः सा, सुष्ठु ध्यायतीति
           1. वृत्तिकारमते श्रीवत्‌
           2. मतान्तरे पुंवत्‌
        2. सुष्ठुधीः (श्रीवत्‌)
     7. ग्रामणीः (पुंवत्‌)
  3. Ends with ‘U’ (ऊ)
     1. नदीसञ्ज्ञक (वधूः) – गौरीवत्‌
     2. इयङ्स्थानिक (भ्रूः) – श्रीवत्‌
     3. ननदीसञ्ज्ञक (खलपूः) – पुंवत्‌
     4. पुनर्भूः, दृन्भूः, पुनर्भूः – दृन्करपुनः... से यण्‌ तथा नदीकार्य
        1. $so===”Am”
           1. समास है

समास का उत्तरपद एकाच्‌ है और पूर्वपद में रकार या षकार है

समास का उत्तरपद एकाच्‌ नहीं है या पूर्वपद में रकार या षकार नहीं है

* + - * 1. समास नहीं
    1. वर्षाभूः
    2. स्वयम्भूः - नित्यस्त्रीलिङ्गत्वाभावात्‌ न नदीसञ्ज्ञा । अङ्‍यन्तत्वान्न सुलोपः ।
  1. The word is idam
     1. अन्वादेश है
     2. अन्वादेश नहीं है
  2. The word is diS
     1. क्विन्‌ प्रत्ययान्त है
     2. क्विप्‌ प्रत्ययान्त है
  3. ends with SUdra and not preceded by mahA, mahat (Now not needed as we take puMyoga and jAti in all cases.)
     1. जाति – टाप्‌
     2. पुंयोग – ङीप्‌
  4. ends with ‘van’
     1. वन्नन्त / वन्नन्तान्त है
        1. check whether haz-van combination? हशन्त धातु के परे वन्‌ है
           1. बहुव्रीहि है (अनो बहुव्रीहौ)
           2. बहुव्रीहि नहीं है (वनो न हश इति वक्तव्यम्‌)
        2. हशन्त धातु के परे वन्‌ नहीं है
           1. बहुव्रीहि है (वा बहुव्रीहौ)
           2. बहुव्रीहि नहीं है
     2. वन्नन्त / वन्नन्तान्त नहीं है
        1. बहुव्रीहि है (अनो बहुव्रीहौ)
        2. बहुव्रीहि नहीं है
  5. ends with ‘pAd’ and not equal to ‘pAd’
     1. ऋक्‌ है
     2. ऋक्‌ नहीं है
  6. ends with ‘an’ and doesn’t end with ‘van’ or ‘man’
     1. बहुव्रीहि है
        1. सञ्ज्ञा है या छान्दस है
        2. नहीं
     2. बहुव्रीहि नहीं है
  7. ends with ‘aka’ and is Abanta
     1. ककार प्रत्ययस्थ है तथा आप्‌ प्रत्यय सुप्‌ के परे नहीं है
        1. आशिष्‌ के अर्थ में वुन्‌ प्रत्यय प्रयुक्त है
        2. उत्तरपदलोप है
        3. अभाषितपुंस्क है
        4. उपर में से कोई नहीं
     2. ककार प्रत्ययस्थ नहीं है या आप्‌ प्रत्यय सुप्‌ के परे है
  8. ends with ‘tyaka’ and is Abanta
     1. त्यक्‌ / त्यप्‌ प्रत्यय है (त्यक्त्यपोश्च)
     2. त्यकन्‌ प्रत्यय है (त्यकनश्च निषेधः)
  9. ends with ‘yaka’ or ‘kaka’
     1. धात्वन्त यकार या ककार के परे प्रत्यय का ककार है
     2. नहीं
        1. स्त्रीप्रत्यय के आकार के स्थान पर अकार हुआ है
        2. नहीं
  10. ends with ‘Tit’, ‘Dha’, ‘aN’, ‘aJ’, ‘dvayasac’, ‘dadhnac’, ‘mAtrac’, ‘tayap’, ‘Thak’, ‘ThaJ’, ‘kaJ’, ‘kvarap’
      1. उपसर्जनीभूत है
      2. उपसर्जनीभूत नहीं है
  11. The word is ‘triphala’
      1. द्विगु
      2. बहुव्रीहि
  12. The word has saMkhyA at start
      1. द्विगु
         1. If doesn’t end with parimANavAci (guYja, mAza, suvarRa, pala, prasfta, kuwaba, prasTa, AQaka) or ends with bista, Acita, kambalya
            1. तद्धितलुक्‌ है
            2. नहीं
         2. ends with ‘kARqa’
            1. क्षेत्रे
            2. न क्षेत्रे
         3. ends with ‘puruza’
            1. प्रमाणे
            2. न प्रमाणे
         4. None of the above.
      2. बहुव्रीहि
         1. has a saMkhyA at start and ends with hAyana / hAyaNa
            1. वयोवाचक है
            2. नहीं
  13. ends with ‘uDas’ or ‘oDas’
      1. बहुव्रीहि
         1. सङ्ख्या या अव्ययादि है
         2. नहीं
      2. बहुव्रीहि नहीं
  14. ends with kevala, mAmaka, BAgaDeya, pApa, apara, samAna, Aryakfta, sumaNgala, Bezaja
      1. सञ्ज्ञा है या छान्दस है
      2. नहीं
  15. The word is pUtakratu, vfzAkapi, agni, kusita, kusida, manu // currently merged with 2.22
      1. पुंयोग में प्रयुक्त है
      2. नहीं
  16. ends with ‘u’ and doesn’t end with consonant-consonant-u combination
      1. गुणवाचि
      2. नहीं
  17. ends with ‘i’
      1. क्तिन्नन्त है
      2. नहीं
  18. is strIliGga
      1. पुंयोग
         1. word is sUrya
            1. देवता
            2. मानुषी
      2. जातिवाचि है और अस्त्रीविषय है
      3. अन्य
  19. ends with ‘ta’
      1. क्तान्त है
         1. अल्पत्व के अर्थ में प्रयुक्त है
         2. बहुव्रीहि
            1. अन्तोदात्त है
            2. नहीं
         3. उपर में से कोई नहीं
      2. क्तान्त नहीं हे
  20. ends with naKa or muKa
      1. सञ्ज्ञा
      2. नहीं
  21. nothing to check. (in future, we will check whether this is noun or adjective from dictionary. The present discussion applies only to nouns)
      1. जातिवाचि है और अस्त्रीविषय है
      2. जातिवाचि नहीं है या अस्त्रीविषय नहीं है
  22. ends with bAhu
      1. सञ्ज्ञा
      2. नहीं

1. नपुंसकलिङ्ग
   1. ends with $ik=array(“i”, “I”, “u”, “U”, “f”, “F”, “x”, “X”);
      1. भाषितपुंस्क है ?
      2. भाषितपुंस्क नहीं है ।
   2. The word is equal to “idam”,”etad”
      1. अन्वादेश
      2. अन्वादेश नहीं है
   3. The word ends with “at”,”At” (This is applicable in “f” and “n” both)
      1. अभ्यास के परे शतृप्रत्ययान्त शब्द है
      2. नहीं
         1. अवर्णान्त अङ्ग के परे शतृ प्रत्यय का अवयव है
            1. शप्‌ / श्यन्‌ प्रत्यय के अवर्ण के परे शतृ प्रत्यय का अवयव है
            2. नहीं
         2. नहीं
2. कर्तृवाच्य
   1. कर्मव्यतिहार
      1. गत्यर्थक या हिंसार्थक है
      2. इतरेतर, अन्योन्य या परस्पर के समीप में है
      3. उपर में से कोई नहीं
   2. कर्मव्यतिहार नहीं है
3. कर्मवाच्य
4. भाववाच्य
5. The word is ‘AdAY’
   1. विहरण
      1. स्वाङ्गविहरण (परस्मै)
      2. पराङ्गविहरण (आत्मने) – पराङ्गकर्मकान्न निषेधः (वा ९०३)
   2. अविहरण (आत्मने) – आङो दोऽनास्यविहरणे (१.३.२०)
6. The word is ‘zWA’
   1. प्रकाशन या स्थेय के अर्थ में प्रयुक्त है
   2. नहीं
7. The word is ‘utsTA’
   1. ऊर्ध्वकर्म में प्रयुक्त है
   2. नहीं
8. The word is ‘upasTA’
   1. मन्त्रकरण है
   2. अकर्मक है
   3. उपर में से कोई नहीं
9. The word is ‘AhveY’
   1. स्पर्धा के अर्थ में है
   2. नहीं
10. The word ends with ‘kfY’ and is not ‘aDikfY’ or ‘vikfY’
    1. गन्धन, आक्षेपण, सेवन, साहसिक्य, प्रतियत्न, प्रकथन या उपयोग के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
11. The word is ‘aDikfY’
    1. प्रहसन
    2. नहीं
12. The word is ‘vikfY’
    1. शब्दकर्म
    2. अकर्मक
    3. उपर में से कोई नहीं
13. Ends with ‘nIY’
    1. सम्मानन, उत्सञ्जन, आचार्यकरण, ज्ञान, भृति, विगणन या व्यय के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
14. The word is ‘vinIY’
    1. दूर करने की क्रिया शरीर से भिन्न है (अशरीरे कर्मणि)
    2. नहीं
15. The word is ‘kramu!’ / ‘parAkramu!’ / ‘upakramu!’ (वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः / उपपराभ्याम्‌)
    1. वृत्ति, सर्ग या तायन के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं (If ‘kramu!’ -> Optionally Atmane by anupasargAdvA
16. The word is ‘Akramu!’
    1. उद्गमन
    2. नहीं
17. The word is ‘vikramu!’
    1. पादविहरण
    2. नहीं
18. The word ends with ‘jYA’
    1. अपह्नव
    2. अकर्मक
    3. अन्य
19. The word is ‘saMjYA’ / ‘pratijYA’
    1. अनाध्यान
    2. नहीं
20. The word ends with ‘vada!’
    1. भासन, उपसम्भाषा, ज्ञान, यत्न, विमति या उपमन्त्रण के अर्थ में है
    2. स्पष्ट वाणी वालों का सहोच्चारण
    3. स्पष्ट वाणी वालों का सहोच्चारण विप्रलाप में है
    4. अन्य
21. The word is ‘anuvada!’
    1. स्पष्ट वाणी वालो का सहोच्चारण है और अकर्मक है
    2. अन्य
22. The word is ‘prakramu!’ / ‘upakramu!’
    1. आदिकर्म
    2. अन्य
23. The word is ‘saMgf’, ‘saNgf’, ‘samgf’
    1. प्रतिज्ञान
    2. अन्य
24. The word is ‘utcara!’, ‘uccara!’,
    1. सकर्मक
    2. नहीं
25. The word is ‘saMcara!’, ‘saYcara!’, ‘samcara!’
    1. तृतीयायुक्त है
    2. नहीं
26. The word is ‘sampradAR’ / ‘saMpradAR’
    1. तृतीयायुक्त है और चतुर्थी के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
27. The word is ‘upayama!’
    1. स्वकरण
    2. नहीं
28. The word is ‘prayuji!r’ / ‘upayuji!r’
    1. यज्ञपात्र
    2. यज्ञपात्र नहीं है
29. The word ends with ‘Buja!’
    1. अवन
    2. अन्य
30. The word ends with ‘BI’ / ‘smiN’ (still in a dilemma how to do entry of Nyanta verbs for 39 onwards)
    1. हेतुभये
    2. नहीं
31. The word ends with ‘gfDu!’ / ‘vaYcu!’ / ‘vancu!’
    1. प्रलम्भन
    2. अन्य
32. The word ends with ‘lIN’/ ‘lI’
    1. सम्मानन, शालीनीकरण या प्रलम्भन के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
33. The word ends with ‘kfY’/’qukfY’
    1. मिथ्या उपपद में है और अभ्यास के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
34. The word is ‘saMyama!’, ‘samyama!’, ‘utyama!’, ‘udyama!’, ‘Ayama!’
    1. ग्रन्थविषयक
    2. अन्य
35. The word is ‘uparamu!’
    1. अकर्मक
    2. अन्य
36. The verb is takzU!
    1. तनूकरणे
    2. अन्य
37. There are many cases where the verb entered may belong to more than one set. In that case it is necessary to know which set this verb belongs to. I have created a function for the same. verb\_meaning\_gana\_number is the function. This will show the options to the user and a facility to choose from. Whatever the user chooses, its set name will be passed as verbset to the tiGanta.php.
38. The verb ends with gupa!, tija!, kita!
    1. निन्दा, क्षमा या व्याधिप्रतीकार के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
39. The verb ends in mAna!, baDa!, dAna!, SAna!
    1. जिज्ञासा, वैरूप्य, आर्जव या निशान के अर्थ में प्रयुक्त है
    2. नहीं
40. The verb ends in paRa!
    1. स्तुति
    2. व्यवहार
41. The lakAra is laN, luN, lfN
    1. माङ्‌ योग है
    2. नहीं
42. Verb is ‘iR’ or ‘ik’ and sanAdi is ‘Ric’
    1. अबोधन
    2. बोधन
43. Verb is ‘duza!’ and sanAdi is ‘Ric’
    1. चित्तविराग
    2. अन्य
44. Verb is ‘ziDU!’ and sanAdi is ‘Ric’
    1. पारलौकिक ज्ञान
    2. अन्य